उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ

पंजीकृत संख्या : 75-4/II-A/359, 14 नवम्बर 1962

प्रधान कार्यालय : आलमबाग, रोडवेज बस स्टेशन के सामने, (सुजानपुरा) ओम नगर, आलमबाग, लखनऊ

रविन्द्र नाथ त्रिपाठी
प्रदेश अध्यक्ष
सम्पर्क ☎ : 0551-2241716, मो0: 9415548535
पत्राचार : मो0 तिवारीपुर, निकट गायत्री मन्दिर, गोरखपुर

अवधेश सिंह चौहान
प्रदेश महामन्त्री
सम्पर्क ☎ : 05872-252057, मो0: 9415172656
पत्राचार : डी.सी. रोड, मो0 सिकटिहा, लखीमपुर-खीरी

* उपाध्यक्ष गण *

हरदेव शर्मा
(पश्चिमी जोन)
मो. 09412869499

राजेन्द्र सिंह कछवाह
(मध्य जोन)
मो. 09450223683

पुट्टी लाल यादव
(पूर्वी जोन)
मो. 09450088433

* कोषाध्यक्ष *

अमलेश कुमार शर्मा
मो. 09837062257

* संगठन मंत्री गण *

कृष्ण कुमार सिंह
(पश्चिमी जोन)
मो. 09058499749

सुशील कुमार श्रीवास्तव
(मध्य जोन)
मो. 09415525914

इफ्तखार अहमद
(पूर्वी जोन)
मो. 09450548706

* आडीटर *

राज किशोर अवस्थी
मो. 09936642639

पत्रांक :

दिनांक 06.11.13

नोटिस

सेवा में,

मा0 राजस्व मंत्री महोदय,
उ0प्र0 सरकार, लखनऊ।

विषयः— **प्रदेश के राजस्व कर्मचारियों की न्यायोचित समस्याओं/मांगों के सामयिक निराकरण के अभाव में राज्य कर्मचारी अधिकार मंच द्वारा प्रस्तावित आन्दोलन को लेखपाल संघ द्वारा भी समर्थन देने एवं परिषद के घेराव के सम्बन्ध में।**

महोदय,

विनम्र अनुरोध के साथ सादर अवगत कराना है शासन स्तर पर कतिपय शीर्ष स्तर के अधिकारियों द्वारा कर्मचारी संगठनों के द्वारा समय-समय पर प्रेषित मांग पत्रों एवं वार्ताओं पर प्रभावी कार्यवाही नहीं की जा रही है। सेवा योजक एवं सेवक में उचित सामंजस्य के लिए आवश्यक है कि उसकी न्यायोचित मांगो/समस्याओं का निराकरण सामयिक रूप से होता रहे, परन्तु जनपदों से लेकर राजधानी में कार्यरत अधिकारी तक प्रभावी कार्यवाही नही कर रहे हैं। यहां तक कि मा0 मुख्य सचिव महोदय के निर्देशों के अनुपालन में वर्षों का समय लगाया जा रहा है। वहीं वित्त विभाग के कतिपय अधिकारी कुछ समय से मनमाने शासनादेश निर्गत कर रहे हैं, जिसके कारण कर्मचारी समुदाय में आक्रोश व्याप्त होना स्वाभाविक है।

उल्लेखनीय है कि राजस्व विभाग में लेखपाल, राजस्व निरीक्षक व नायब तहसीलदार एवं सहायक भूलेख अधिकारी के अधिकांश पद काफी समय से रिक्त चल रहे हैं, जिसके कारण कार्य सरकार की गुणवत्ता एवं जनहित के कार्यों में विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेखपाल संवर्ग के ए0सी0पी0 निर्धारण में विसंगति पैदा करके युवा लेखपालों में आक्रोश उत्पन्न हुआ है। एक ही संवर्ग में दो प्रकार के मानक निर्धारित करना अन्याय पूर्ण व्यवस्था है। छठे वेतन आयोग का 40 प्रतिशत अवशेष एरियर व कृषिगणना, पशुगणना, आर्थिक गणना, क्राप्स कटिंग मानदेय का बजट जनपदों को नहीं प्रेषित होने के कारण सवंर्ग में आक्रोश है। मा0 मुख्य सचिव महोदय की अध्यक्षता में लिये गये निर्णय के क्रम में 10 लेखपाल पर एक राजस्व निरीक्षक का पद सृजित करने का प्रस्ताव एक वर्ष से अधिक समय व्यतीत होने के पश्चात भी मूर्त रूप न ले सका है। लेखपालों को वाहन भत्ता देने, शैक्षिक योग्यता स्नातक करने व नियुक्ति अधिकारी जिलाधिकारी को बनाने का प्रस्ताव भी लम्बित है।

उ0प्र0 लेखपाल संघ की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 21.10.2013 में संवर्ग की उपरोक्त विभिन्न लम्बित समस्याओं एवं उ0प्र0 राज्य कर्मचारी अधिकार मंच द्वारा शासन को प्रेषित मांग पत्र के सभी बिन्दुओं पर गहन विचार विमर्श करने के पश्चात सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि उ0प्र0 राज्य कर्मचारी अधिकार मंच द्वारा घोषित आन्दोलन को लेखपाल संघ भी समर्थन करेगा और दिनांक 12.11.2013 से प्रस्तावित अनिश्चित कालीन हड़ताल में सक्रियता से भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

.....2 पर

dk2011